भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 FEBRUARY 2025

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट • दो साल में काम पूरे करने का लक्ष्य, दूसरा टेंडर भी इसी माह

कोटा एयरपोर्ट के लिए 467 करोड़ का पहला टेंडर जारी, मई में शुरू होगा काम

भास्कर न्यूज | कोटा

कोटा में हवाई सेवा शुरू होने के लिहाज से गुरुवार बड़ा दिन बन गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों से जुड़ा 467.67 करोड़ का पहला टेंडर जारी कर दिया। इससे रन-वे, एप्रन व लाइट्स आदि के काम होंगे। तय किया गया कि 90 दिन में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद 730 दिन (दो वर्ष) में काम पूरा कर लेने का लक्ष्य है। टेंडर को लेकर 7 मार्च को एएआई मुख्यालय में प्री बिड मीटिंग रखी गई है। टेंडर के अनुसार, 7 फरवरी सुबह से डॉक्यूमेंट डाउनलोड कर सकेंगे, डॉक्यूमेंट बिक्री की अंतिम तिथि 11 अप्रैल रखी गई है। इसके बाद 17 अप्रैल को बिड ओपन होगी। एएआई सूत्रों ने बताया कि इसी माह 15 से 20 फरवरी के बीच इस एयरपोर्ट का दूसरा बड़ा टेंडर भी जारी हो जाएगा, जो सिटी साइड कार्यों का होगा। इसमें टर्मिनल बिल्डिंग, पार्किंग, एटीसी जैसी सुविधाओं का निर्माण होगा।

कोटा के ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का हर काम तय टाइम लाइन से चल रहा है, अब किसी भी स्तर पर ढिले नहीं हो रहा। इस प्रोजेक्ट की एक-एक दिन की मॉनीटरिंग की जा रही है। आज पहला टेंडर जारी हो गया है, नागरिक उड्डयन मंत्री ने मुझे आश्वस्त किया है कि तय समय सीमा में काम पूरा कर देंगे। आज मैंने नागरिक उड्डयन मंत्री को यह भी कहा है कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए वर्तमान एयरपोर्ट की जमीन पर सिविल एविएशन एकेडमी का प्लान करें।

– **ओम बिरला,** लोकसभा अध्यक्ष

3200 मीटर लंबा रनवे, 17 किमी बाउंड्रीवॉल बनेगी

संसद भवन में ओम बिरला को एयरपोर्ट संबंधी अपडेट देते केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री।

दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगी विमान सेवा : नागरिक उड्डयन मंत्री

गुरुवार को दोपहर 2 बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के संसद भवन स्थित कार्यालय में केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री राममोहन नायडू ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने स्पीकर बिरला को एयरपोर्ट को लेकर चल रही प्रक्रियाओं की जानकारी दी। स्पीकर बिरला ने उन्हें शीघ्र टेंडर जारी करवाने को कहा, जिसके बाद शाम होते-होते एएआई ने टेंडर जारी कर दिया। इस दौरान स्पीकर बिरला के ओएसडी राजीव दत्ता व एयरपोर्ट अथॉरिटी के मेंबर (ऑपरेशन) शरद कुमार भी मौजूद रहे। उड्डयन मंत्री नायडू ने बिरला को बताया कि अगले 3 माह में टेंडर से संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूरी कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। दिसंबर 2027 तक एयरपोर्ट निर्माण पूरा कर लिया जाएगा और कोटा से विमान सेवा शुरू हो जाएगी। इसके अलावा अन्य एजेंसियों द्वारा भी सड़क और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर काम शुरू कर दिया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 8 FEBRUARY 2025

AAI OKs Plan for Navi Mumbai, Noida Airports

MUMBAI: The Airports Authority of India (AAI) on Friday said it has completed airspace design and flight procedures for the upcoming Navi Mumbai International Airport and Noida International Airport at Jewar, Uttar Pradesh, both set to begin operations in April. AAI said that the completion underscores its expertise in managing complex airspace configurations, particularly near busy aviation hubs. AAI, which provides air navigation services to the airports pan-India, will be managing these services at the two facilities.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 FEBRUARY 2025

एयरपोर्ट; दिल्ली से सीवीओ पहुंचे एटीसी, नेविगेशन से जुड़ी जानकारी ली

जयपुर | जयपुर एयरपोर्ट पर गुरुवार को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के चीफ विजिलेंस ऑफिसर (सीवीओ) निखिल कुमार कनोडिया ने एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) में फ्लाइट संचालन से जुड़ी प्रक्रियाओं और उपकरणों की जानकारी ली। वहीं, एयरपोर्ट अथॉरिटी के स्टाफ और अन्य स्टेकहोल्डर्स से बेहतर मापदंड बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी के जयपुर एयरपोर्ट कोआर्डिनेशन इंचार्ज चरण सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 8 FEBRUARY 2025

नोएडा एयरपोर्ट से उत्तराखंड के विभिन्न शहर बस सेवा से जुड़ेंगे

ग्रेटर नोएडा, 7 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से वाणिज्यिक विमान का उड़ान शुरू होने से पहले यात्रियों को एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए कनेक्टिविटी की दिशा में तेजी से काम शुरू हो गया है। एयरपोर्ट को उत्तराखंड के प्रमुख शहरों को बस सेवा से जोड़ने के लिए शुक्रवार उत्तराखंड परिवहन निगम और यमुना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड के समझौता हुआ। समझौता ज्ञापन पर उत्तराखंड परिवहन निगम लि. (यूटीसी) के प्रबंध निदेशक और यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (यापल) के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस साझेदारी के तहत हवाई अड्डे का उद्घाटन होने पर पहले दिन से से देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और हलद्वानी सहित उत्तराखंड के प्रमुख स्थलों के बीच बस सेवा शुरू हो जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अप्रैल में वाणिज्यिक विमानों का उड़ान प्रस्तावित है। एयरपोर्ट का उद्घाटन होने पर पहले दिन से तीन अंतरराष्ट्रीय, 25 घरेलू और दो कार्गो विमान उड़ान भरना शुरू कर देंगे। एयरपोर्ट शुरू होने से पहले पश्चिमी उत्तर, एनसीआर समेत आसपास प्रदेशों को बस सेवा से जोड़ने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जिलों को बस सेवा से जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के बीच सहमति बन चुकी है। नोएडा से अब उत्तराखंड के प्रमुख शहरों को बस सेवा से जोड़ने पर शुक्रवार को उत्तराखंड परिवहन निगम ने यापल के साथ समझौता हुआ।

यह पहल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और उत्तराखंड के यात्रियों को नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंचने में सुविधाजनक माना जा रहा है। नोएडा एयरपोर्ट यमुना एक्सप्रेस वे से जुड़ा हुआ है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे से जोड़ने का काम अंतिम दौर में चल रहा है। एयरपोर्ट चालू होने से पहले दिल्ली एनसीआर, नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहर सड़क मार्ग से जुड़ रहा है।

- **नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के उद्घाटन के साथ देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार व हलद्वानी के लिए चलेगी बस**
- **यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. और उत्तराखंड परिवहन निगम के बीच हुआ समझौता ज्ञापन**

उत्तराखंड परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक ने कहा कि नोएडा और देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार और हलद्वानी जैसे प्रमुख शहरों के बीच क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह सहयोग यात्रियों के लिए एक सहज, कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करते हुए हवाई और सड़क परिवहन को निर्बाध रूप से एकीकृत करेगा।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम के साथ यह साझेदारी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को वास्तव में एकीकृत और निर्बाध यात्रा केंद्र के रूप में हमारे दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्रियों को उनके आगमन के साथ ही विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता पर जोर देती है।

नोएडा हवाई अड्डे के अपने पहले चरण में, एक रनवे और एक टर्मिनल के साथ, हवाई अड्डे की क्षमता सालाना 12 मिलियन यात्रियों की होगी। चौथे चरण के पूरा होने पर, हवाई अड्डा प्रति वर्ष 70 मिलियन यात्रियों को प्रबंधित करने के लिए सुसज्जित होगा, जिससे यह क्षेत्र के लिए एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE DAILY GUARDIAN DELHI 7 FEBRUARY 2025

The Daily Guardian
epaper.thedailyguardian.com
07 Feb 2025 - Page 4

STATE WILL FINALISE ON BENGALURU'S 2ND AIRPORT AFTER TECHNICAL EVALUATION: MIN

The decision is a technical matter and doesn't require extensive debate, says state Home Minister Parameshwara

DARRELL MIRANDA
BENGALURU

Karnataka Home Minister Dr G Parameshwara on Thursday stated that the government will make a final decision on the location of Bengaluru's second airport, based on technical evaluations.

He emphasised that the decision is a technical matter and doesn't require extensive debate.

While addressing media, he said "Why should there be a debate on where the airport should be built? Why should the media discuss it? The government will make a final decision--it is a technical matter. The pros and cons will be discussed before making a decision, but there is no need for so much debate."

The government is currently evaluating two potential sites: Bidadi and Tumakuru. While Parameshwara mentioned that Tumakuru is the preferred location, he clarified that both sites have their advantages.

"Whether it is built in Bidadi or Tumakuru, both locations will have their advantages. Our preference is for Tumakuru, but there is no need to create confusion over it," he stated.

The need for a second airport in Bengaluru was announced by Minister for Infrastructure MB Patil in July last year. The proposed airport is expected to have an annual capacity of handling 100 million passengers.

The Minister stated that the government now has a few options regarding probable sites, such as Kanakapura Road, Mysuru Road, Magadi, Doddaballapura, Dabaspete, and Tumakuru.

Seven locations were initially identified by the Infrastructure Development Corporation (Karnataka) Limited (IDeCK), including Kanakapura Road, Mysuru Road, Magadi, Doddaballapura, Dabaspete, and Tumakuru

The Karnataka government aims to complete the second airport by 2033, when the exclusivity clause with BIAL (Bengaluru International Airport Limited) terminates. This clause restricts building another airport within a 150 km radius.

Earlier, DK Shivakumar, Deputy Chief Minister and Bengaluru City Development Minister stated that MB Patil has already held several rounds of meetings with various stakeholders regarding the construction of the second airport for Bengaluru. The government aims to complete the second airport by 2033, he added.

'NO NEED FOR SO MUCH DEBATE'

- While addressing media, he said "Why should there be a debate on where the airport should be built? Why should the media discuss it? The government will make a final decision--it is a technical matter."
- The pros and cons will be discussed before making a decision, but there is no need for so much debate," the minister said.
- The government is currently evaluating two potential sites: Bidadi and Tumakuru. While Parameshwara mentioned that Tumakuru is the preferred location, he clarified that both sites have their advantages

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

नोएडा और नवी मुंवई हवाई अड्डों के लिए उड़ान प्रक्रियाएं पूरी

मुंबई, प्रेट: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नवी मुंबई और नोएडा में चालू होने वाले दो नए हवाई अड्डों के लिए हवाई क्षेत्र की डिजाइन और उड़ान प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दोनों इस साल अप्रैल से चालू होने वाले हैं।

प्राधिकरण ने कहा कि खासतौर पर देश के कुछ सबसे व्यस्त विमानन केंद्रों के पास स्थित हवाई अड्डों के लिए हवाई क्षेत्र की डिजाइन एवं उड़ान प्रक्रियाओं का पूरा होना एएआई की विशेषज्ञता को दर्शाता है। बयान में कहा गया कि बोइंग के विशेषज्ञों ने नए हवाई अड्डों के लिए आगमन और प्रस्थान प्रोटोकाल का आकलन व पुष्टि के लिए एएआई उड़ान डिजाइन टीम के साथ सहयोग किया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 7 FEBRUARY 2025

एयरपोर्ट पर मोबाइल नेटवर्क लचर, चेक इन करने में यात्रियों को हो रही परेशानी

प्रयागराज हाईवे से चकेरी हवाई अड्डे की तरफ मुड़ने के बाद डोलने लगता नेटवर्क

जागरण संवाददाता, कानपुर : गाजियाबाद के एक मैनेजमेंट कालेज के छात्र किदवई नगर वाई ब्लाक निवासी कार्तिकेय शुक्ल को दिल्ली के लिए विमान पकड़ना था। दो घंटे पहले एयरपोर्ट पर चेक इन की प्रक्रिया के लिए पहुंच गए, लेकिन द्वार पर ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) जवानों ने रोका और टिकट, बोर्डिंग पास व आधार कार्ड दिखाने को कहा। टिकट, बोर्डिंग पास की फोटो कापी से काम चल गया लेकिन आधार, एम आधार एप या डिजिलाकर पर ही दिखाने को कहा। उन्होंने एप खोला तो पता लगा कि मोबाइल पर नेटवर्क सही से काम नहीं कर रहा था। परेशान कार्तिकेय काफी देर भटकते रहे और बाद में किसी तरह नेटवर्क मिलने पर डिजिलाकर खुला तो आधार दिखाने के बाद उन्हें प्रवेश मिला। एयरपोर्ट पर यह नजारा आम है क्योंकि यहां मोबाइल नेटवर्क काम नहीं करता। अधिकारी सुरक्षा के नाम पर टावर न होने की बात कहते हैं, लेकिन अगर नेटवर्क बूस्टर ही लगा दिए जाएं तो समस्या हल हो सकती है।

चकेरी में एयरपोर्ट टर्मिनल की नई बिल्डिंग से आवागमन डेढ़ वर्ष पहले शुरू हुआ था, लेकिन यहां मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया। सबसे बड़ी समस्या मोबाइल नेटवर्क की है। प्रयागराज हाईवे से एयरपोर्ट की तरफ जाते ही मोबाइल नेटवर्क धड़ाम हो जाता है। एयरफोर्स से करीब होने के बाद यहां मोबाइल टावर नहीं लगाए गए हैं और इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। एयरपोर्ट पर कनेक्टिविटी न होने से मोबाइल पर कोई एप नहीं खुलता । परेशान लोग जैसे-तैसे सुरक्षा जांच से बाहर हो पाते हैं। कई बार सुरक्षा में लगे जवानों से बहस भी होती है। सामान्य तौर पर यह प्रक्रिया सही है लेकिन जहां नेटवर्क नहीं आता, वहां मुसीबत खड़ी हो जाती है। टैक्सी सर्विस बुक करके आने के बाद भुगतान परेशानी का सबब बन जाता है और यहां से जाने के लिए टैक्सी बुक करना कठिन होता है।

एयरटेल का टावर लगाने की तैयारी पड़ी ठंडी : एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक यहां एयरटेल का टावर लगाने की तैयारी थी लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसकी वजह से मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी बेहद खराब स्थिति में है।

चकेरी में एयरपोर्ट टर्मिनल की नई बिल्डिंग ● जागरण आर्काइव

हवाई अड्डे पर प्रवेश करते समय सीआइएसएफ से यात्रियों की होती बहस, नेटवर्क बूस्टर लगाने से सुधर सकते हालात

कभी-कभी मोबाइल नेटवर्क की दिक्कत हो जाती है। यात्रियों की समस्या के समाधान के लिए बीएसएनएल कंपनी का टावर लगवाया गया है।

-संजय कुमार, निदेशक चकेरी एयरपोर्ट

एयरपोर्ट पर लीज सर्किट के साथ 24 कनेक्शन दिए गए हैं। मोबाइल नेटवर्क की समस्या टावर न होने की वजह से है। सुरक्षा कारणों से वहां टावर लगने नहीं लगे हैं। लोगों की सुविधा के लिए एक बार फिर टावर लगाने की संभावना तलाशी जाएगी। - प्रभांश यादव, महाप्रबंधक, बीएसएनएल

मोबाइल नेटवर्क की बड़ी दिक्कत है। किसी का भी टिकट बुक करने के साथ ही टिकट और बोर्डिंग पास की हार्डकापी जरूर उपलब्ध करा देते हैं और साथ ही बता देते हैं कि पहचान पत्र की मूल प्रति सुरक्षित रखें ताकि सुरक्षा जांच में दिक्कत न हो।

शारिक अल्वी, ट्रैवल एजेंट

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 7 FEBRUARY 2025

जयपुर एयरपोर्ट पर नए प्रवेश और निकास द्वार शुरू, यात्रियों का आवागमन हुआ आसान

यात्रियों की आवाजाही अब नए बने चार लेन वाले मार्ग से होगी, पार्किंग क्षमता बढ़ाई गई

नवज्योति,जयपुर। यात्री सुविधा में विस्तार करते हुए जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही के लिए नए प्रवेश-निकास द्वारों को खोला गया।इसके साथ ही टर्मिनल-2 पर यात्रियों और वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए पर एक समर्पित चार लेन की सड़क का भी उद्घाटन किया गया। समारोह में सरकार तथा एयरपोर्ट के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नए बदलाव के तहत यात्री-वाहन एयरपोर्ट पर नए प्रवेश द्वार से अंदर आएंगे तथा नई सड़क का उपयोग करते हुए सीधे निकास द्वार से बाहर निकल जाएंगे। इस नए परिवर्तन से पोर्च एरिया में भीड़भाड़ में कमी आएगी तथा एयरपोर्ट से आने-जाने वाले यातायात के प्रवाह को सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। वाहनों की अधिक संख्या को संभालने के लिए डिजाइन की गई यह सड़क मुख्य रूप से यात्रियों की जरुरतों को पूरा करेगी और विशेष रूप से व्यस्त यात्रा समय के दौरान बाधाओं को कम करने में मदद करेगी। इसके साथ ही 475 चार पहिया वाहनों और 600 दो पहिया वाहनों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त पार्किंग क्षमता बनाई गई है। एयरपोर्ट की कार्यकुशलता को और बेहतर बनाने के लिए पोर्च क्षेत्र में मौजूदा तीन लेन को विशेष रूप से वीआईपी आवागमन के लिए आरक्षित किया गया है।प्रवेश बिंदु के पास लगभग 20 वीआईपी वाहनों के लिए एक अलग पार्किंग क्षेत्र भी बनाया गया है।

चीफ विजिलेंस ऑफिसर ने किया एयरपोर्ट का निरीक्षण

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के चीफ विजिलेंस ऑफिसर (सीवीओ) निर्मल कुमार कनोड़िया ने गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उच्च मानक सुविधाओं को बनाए रखने और बेहतर मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कनोड़िया ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर सहित अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान एएआई के को-ऑर्डिनेशन इंचार्ज चरण सिंह भी मौजूद रहे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 8 FEBRUARY 2025

'KLM Renewing Fleet to Deal with Noise, Emission Issues'

CEO Rintel says Dutch airline is looking to add flights on more profitable routes that includes expanding Indian operations

Arindam Majumder

New Delhi: KLM's Marjan Rintel is probably the only airline CEO globally who is encouraging passengers to take the train for short distances.

Facing pressure from the Dutch government to implement flight cuts at its main hub in Schiphol Airport, Rintel is now promoting Amsterdam's strong links with neighbouring cities like Brussels and Paris through high speed rail.

The Netherlands government is planning to cap flights at Amsterdam's Schiphol airport to 478,000 movements per year, to cut noise and carbon emissions at one of Europe's busiest airports. The move has impacted airlines worldwide including Air India which is unable to increase flights to the Dutch capital.

"We buy a lot of seats from Amsterdam to Paris or from Amsterdam to Brussels on the Eurostar because it's quite convenient if you go by train. So, it's similar to an airline codeshare where we work as partners," Rintel told **ET** in an interview.

Rintel, however, believes that a solution to issues of aircraft noise and emissions cannot be reached through flight cuts but by inducting bigger and modern aircraft which emit lesser noise and can ferry more passengers.

KLM will start flying to Hyderabad, adding to its services to Delhi and Mumbai. The airline has also boosted frequencies on the Amsterdam to New Delhi route

MARJAN RINTEL
CEO, KLM

KLM will be investing seven billion euros in its fleet renewal programme over the next few years, replacing its older Boeing 737s with Airbus A320neos, followed by the Airbus A350 replacing the older 777s and A330s.

Rintel is also under pressure to cut costs at KLM to effect an operational turnaround as part of which it is laying off 250 staff in non-operational roles.

The airline is looking to add frequencies on more profitable routes that includes expanding its Indian operations. It will start flying to Hyderabad, adding to its services to Delhi and Mumbai. The airline has also boosted frequencies on the Amsterdam to New Delhi route from a daily flight to 10 times a week.

Rintel noted a 65% surge in KLM's passenger traffic on Indian routes to 300,000 passengers in 2024 compared to 180,000 in 2019. "The relationship between KLM and India is already 70 years. Amsterdam is also a popular destination both for tourism and business. Indian travellers also don't need to apply for a transit visa while travelling onwards via Schiphol airport," he said.

Schiphol has been a popular transit hub for Indian passengers via Europe when Jet Airways made the airport its European hub and had a strong commercial agreement with the Air France-KLM combine.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

नोएडा एयरपोर्ट से उत्तराखंड के लिए बसें चलेंगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और उत्तराखंड परिवहन निगम के बीच नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उत्तराखंड के प्रमुख शहरों देहरादून, हरिद्वार आदि तक सीधी बसें चलाने के लिए समझौता हुआ। ये बस सेवा एयरपोर्ट से व्यावसायिक उड़ानों के साथ शुरू कर दी जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दूसरे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अप्रैल में उड़ानें प्रस्तावित हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 8 FEBRUARY 2025

नवी मुंबई, नोएडा हवाई अड्डों के लिए डिजाइन, उड़ान प्रक्रियाएं पूरी

मुंबई, (पंजाब केसरी) : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने नवी मुंबई और नोएडा में चालू होने वाले दो नए हवाई अड्डों के लिए हवाई क्षेत्र की डिजाइन और उड़ान प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दोनों इस साल अप्रैल से चालू होने वाले हैं। प्राधिकरण ने कहा कि खासतौर पर देश के कुछ सबसे व्यस्त विमानन केंद्रों के पास स्थित हवाई अड्डों के लिए हवाई क्षेत्र की डिजाइन एवं उड़ान प्रक्रियाओं का पूरा होना एएआई की विशेषज्ञता को दर्शाता है।

इससे इन नए हवाई अड्डों पर परिचालन दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन प्रक्रियाओं को उड़ान दक्षता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। बयान में कहा गया कि बोइंग के विशेषज्ञों ने नए हवाई अड्डों के लिए आगमन और प्रस्थान प्रोटोकॉल का आकलन और पुष्टि करने के लिए एएआई उड़ान प्रक्रिया डिजाइन टीम के साथ सहयोग किया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 8 FEBRUARY 2025

Noida airport-Haridwar bus soon

Noida: Noida International Airport on Friday said it had signed a memorandum of understanding (MoU) with Uttarakhand Transport Corporation (UTC) for direct air-conditioned bus services to popular tourist destinations in Uttarakhand, like Dehradun, Rishikesh, Haridwar and Haldwani. The services are likely to commence as flight operations from the airport begin in April.

The airport, which is expected to serve people in a 150-km radius covering 24 districts in UP, Delhi, Haryana and Rajasthan, is being developed as country's first transit hub with aspirations to develop it into an Asia Pacific transit hub—a first for India.

In Jan, UPSRTC said it will operate buses conneting Noida airport with 17 western UP districts, including Meerut, Baghpat, Bulandshahr, Aligarh, Agra, Mathura and Mainpuri. Plans are afoot to extend the bus services to Gurgaon, Faridabad, Palwal and Mahendragarh too. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA BANGALORE 7 FEBRUARY 2025

Second airport in Bidadi or Tumakuru: Home min

Home minister G Parameshwara Thursday said the govt will take a final decision on the location of Bengaluru's second airport based on technical evaluations. The govt is currently evaluating two potential sites: Bidadi and Tumakuru. "Whether it is Bidadi or Tumakuru, both locations have their advantages. Our preference is for Tumakuru, but there is no need to create controversy over it," Parameshwara said. Infrastructure Development Corporation (Karnataka) Ltd (IDeCK) had initially identified seven locations for the project, including Kanakapura Road, Mysuru Road, Magadi, Doddaballapur and Dabaspet.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 7 FEBRUARY 2025

Man enters airport check-in area with invalid ticket, detained

Hyderabad: An India-origin US national, who entered the Rajiv Gandhi International Airport, with an invalid ticket to see off his brother, has been detained by CISF personnel at the airport. He was later handed over to RGI Airport police, who registered a cheating case and started an investigation.

Around 1am on Thursday , Syed Habib Mohammad Alhashmi, a Hyderabadi who moved to the US over a decade ago, entered the check-in area at the airport.

During checking, CISF personnel at the spot verified with the concerned airlines and found that the ticket was invalid.

Further inquiries revealed that the Person of Indian Origin (PIO) had earlier booked a ticket to Dubai but cancelled it and, showing the same ticket, entered the terminal. Further probe revealed that Alhashmi, a software professional, came to India in 2024 and was staying here since then.

"On Thursday, he came to see off his brother flying to the US and was taken into custody. He will be produced before the court for further procedure," RGI Airport sub-inspector T Indrasena Reddy said. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 8 FEBRUARY 2025

Centre pushes for aircraft component manufacturing

Rohit Vaid
New Delhi

INCLUSIVE ROADMAP. According to the AIA, aerospace exports are currently valued at under $2 billion

India is preparing an inclusive roadmap to promote aircraft component manufacturing in the country, said Union Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu on Friday.

Speaking at a meeting to review and advance aircraft component manufacturing in the country, the Minister assured industry stakeholders of the Centre's commitment to developing a comprehensive and inclusive roadmap.

Lately, India's aircraft component manufacturing sector is experiencing significant growth on the back of strategic alliances with leading global aerospace firms and the growing demand for air travel.

Major international OEMs (original equipment manufacturers) such as Boeing and Airbus, among others, are progressively sourcing billions of dollars worth of components from India.

According to the Aerospace India Association (AIA), the exports are valued at under $2 billion.

MARKET ACCESS

As per an official communique, the Minister articulated the development of a dual-pronged strategy that aims to both expand the indigenous aircraft component manufacturing by utilising the supply chain network of MSMEs (Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises) and simultaneously give greater international market access to Indian component OEMs (original equipment manufacturers).

"It is imperative that we build a comprehensive ecosystem — encompassing skill development, design, manufacturing, maintenance, certification, and knowledge sharing — through close collaboration among our ministries and departments with industry," the Minister was quoted as saying in the communique.

"India is well on its way to emerging as both a major hub for civil aviation and a center for aircraft component manufacturing. With our deep reservoir of talent and resources and by integrating valuable industry insights, we can chart a unified national roadmap that transforms these opportunities into concrete, strategic outcomes."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR JAIPUR 7 FEBRUARY 2025

प्रयागराज की सीधी फ्लाइट शुरू, 11 से 1 और उड़ान भरेगी

एविएशन रिपोर्टर | जयपुर

जयपुर से कुंभ जाने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार से इंडिगो एयरलाइन ने जयपुर से प्रयागराज के लिए नई फ्लाइट शुरू की है। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट संख्या 6ई-5001 जयपुर से सुबह 7 बजे रवाना होगी, जो 8:20 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचेगी। वापसी में फ्लाइट संख्या 6ई-5019 प्रयागराज से रात 8:55 बजे रवाना होकर 10:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी। जबकि स्पाइसजेट एयरलाइन की प्रयागराज के लिए नई फ्लाइट 11 फरवरी से शुरू होगी, जो 28 फरवरी तक संचालित होगी। इस तरह जयपुर से प्रयागराज के लिए रोजाना 3 और शुक्रवार के दिन 4 फ्लाइट्स उपलब्ध होंगी। हालांकि यात्रीभार ज्यादा होने से एयरलाइंस प्रयागराज के लिए मनमर्जी से किराया वसूल कर रही है।

जयपुर से प्रयागराज की फ्लाइट्स का शेड्यूल

- स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-2963 जयपुर-प्रयागराज रोजाना सुबह 7:30 बजे उड़ान भरेगी, वापसी में एसजी-2964 प्रयागराज-जयपुर रोजाना सुबह 9:30 बजे चलेगी।
- अलायंस एयर की फ्लाइट 9आई-322 जयपुर-प्रयागराज हर शुक्रवार शाम 6:05 बजे जाएगी और वापसी में फ्लाइट 9आई-311 प्रयागराज-जयपुर हर रविवार शाम 6:45 बजे रवाना होगी।
- 11 फरवरी से जयपुर-प्रयागराज के लिए स्पाइसजेट एयरलाइन की फ्लाइट संख्या एसजी-2965 जयपुर से शाम 5:05 बजे प्रयागराज जाएगी। इसी प्रकार वापसी में फ्लाइट संख्या एसजी-2966 प्रयागराज से शाम 7:25 बजे जयपुर के लिए रवाना होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICLE HYDERABAD 7 FEBRUARY 2025

AIRLINES RECEIVE 728 HOAX BOMB THREATS IN 2024

M. SRINIVAS I DC
HYDERABAD, FEB. 6

Airline operators received 728 hoax bomb threats last year, and 13 persons were arrested in connection with them, according to the ministry of civil aviation (MoCA).

This was stated by the Union minister of state for civil aviation Murlidhar Mohol while responding to a question on "Bomb threat calls to various airlines across the country" posed by Parimal Nathwani in Rajya Sabha three days ago.

The Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) has mandated protocols for handling such threats. Bomb Threat Contingency Plan (BTCP), a detailed contingency plan, is in place to handle such threats.

As a part of BTCP, every airport has a designated Bomb Threat Assessment Committee (BTAC) which analyses the threat and acts accordingly.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

उड़ान में पौने छह घंटे के विलंब पर बिफरे यात्री

गौतम कुमार मिश्रा • जागरण

नई दिल्ली: महाकुंभ जाने के लिए नई दिल्ली से पहले लखनऊ और वहां से प्रयागराज जाने के लिए निकले श्रद्धालुओं के जत्थे सहित कई यात्रियों को आइजीआइ एयरपोर्ट पर काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

तय समय के हिसाब से नई दिल्ली से लखनऊ के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आई एक्स 1117 को लखनऊ के लिए टर्मिनल-3 से शुक्रवार दोहपर 1:15 बजे रवाना होना था। निर्धारित समय से बोर्डिंग शुरू हुई, लेकिन इसे बीच में ही रोक दिया गया। जो यात्री विमान में सवार थे, उन्हें उतारा गया और जो कतार में थे, उन्हें एयरोब्रिज पर खड़ा किया गया। यहां काफी देर फंसे रहने के बाद यात्री यहां से निकल पाए। बाद में उड़ान के समय को दो बार रिशेड्यूल किया गया और करीब पौने छह घंटे विलंब के बाद शाम सात बजे विमान ने उड़ान भरी।

एयरपोर्ट पर फर्श पर बैठे यात्री सौ: इंटरनेट मीडिया

- एअर इंडिया एक्स. की लखनऊ वाली उड़ान में विलंब, कुर्सी नहीं मिली तो फर्श पर बैठे यात्री
- एक यात्री ने केक खरीदा तो एक्सपायर निकला, महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं का एक जत्था भी था सवार

उड़ान में विलंब के कारण रद करानी पड़ा प्रयागराज का टिकट >> पेज 7

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

उड़ान में विलंब के कारण रद कराना पड़ा प्रयागराज जाने का टिकट

तृतीय पृष्ठ से आगे

एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में विलंब के कारण परेशानी झेल चुके निथ्यानंद नामक यूजर ने एक्स पर पोस्ट में कहा-उन्हें लखनऊ से प्रयागराज जाना था, लेकिन विलंब से पहुंचने के कारण अब उन्हें प्रयागराज का टिकट रद कराना पड़ रहा है। इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा? ऐसे यात्री जो एयरोब्रिज पर कतार में खड़े थे, उन्हें लगा कि शायद विमान आया ही नहीं है। एक पोस्ट में एक यात्री ने कहा कि जब वह बोर्डिंग के लिए कतार में खड़े थे, तब विमान नहीं था। कई घंटे बाद विमान आया, तब क्रू मेंबर नहीं थे। इस बीच टर्मिनल पर बैठने के लिए कुर्सियां तक नहीं मिल रही थीं। बोर्डिंग गेट के पास बैठने के लिए जगह तक नहीं मिल रही थी। कई यात्रियों को फर्श पर बैठकर समय बिताना पड़ा और सबसे अधिक समस्या वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व बच्चों को हुई। ऐश्वर्या पीजे नामक यूजर ने लिखा कि उड़ान में विलंब के बीच वेंडिंग मशीन पर जाकर उन्होंने केक खरीदा, लेकिन वह भी एक्सपायर निकला। इस पोस्ट के उत्तर में डायल ने उनसे पेमेंट की रसीद और अन्य जानकारी डीएम (डायरेक्ट मैसेज) करने को कहा।

इसलिए हुआ विलंब: एक्स पर यात्रियों की पोस्ट के उत्तर में एअर इंडिया एक्सप्रेस विलंब के लिए गोलमोल जवाब देता रहा। एक जगह विलंब के लिए तकनीकी कारणों को जिम्मेदार बताया। वहीं, एक अन्य पोस्ट के उत्तर में कहा कि क्रू की समयसीमा से जुड़ी बातों के कारण विलंब हुआ, लेकिन सूत्रों की मानें तो पहली बार जब विमान में बोर्डिंग प्रक्रिया चल रही थी, तभी अचानक कुछ गड़बड़ी का पता चला। इसके बाद बोर्डिंग प्रक्रिया रोक दी गई। जो विमान में सवार हो चुके थे, उन्हें भी रोक दिया गया। बाद में दूसरे विमान का प्रबंध कर यात्रियों को लखनऊ भेजा गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में पौने छह घंटे के विलंब पर बिफरे यात्री

गौतम कुमार मिश्रा • जागरण

- कुर्सी नहीं मिली तो फर्श पर बैठ बिताया समय, केक निकला एक्सपायर
- तकनीकी गड़बड़ी के कारण लखनऊ जाने वाली उडान में हुई देरी

नई दिल्ली : महाकुंभ के पुण्य लाभ के लिए नई दिल्ली से पहले लखनऊ और फिर वहां से प्रयागराज जाने के लिए यात्रियों के जत्थे को आइजीआइ एयरपोर्ट पर काफी परेशानी झेलनी पड़ी। नई दिल्ली से लखनऊ के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आइ-एक्स 1117 को लखनऊ के लिए टर्मिनल 3 से 1.15 बजे रवाना होना था। समय से बोर्डिंग शुरू हुई, लेकिन इसकी प्रक्रिया बीच में ही रोक दी गई। विमान में सवार यात्रियों को बाहर निकाला गया। जो कतार में खड़े थे, उनको एयरोब्रिज पर खड़ा किया गया। काफी देर बाद यात्री यहां से निकले। उड़ान के समय को दो बार रिशेडयूल किया गया। पौने छह घंटे बाद शाम सात बजे विमान लखनऊ के लिए रवाना हुआ।

निथ्यनांद नामक यूजर ने एक्स पर पोस्ट किया है कि उन्हें लखनऊ से प्रयागराज जाना था, लेकिन विलंब से पहुंचने के कारण अब प्रयागराज का टिकट रद करान पड़ रहा है। इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा। एयरोब्रिज पर कतार में खड़े यात्रियों को लगा कि शायद विमान आया ही नहीं है। एक यात्री ने पोस्ट में लिखा कि जब वे बोर्डिंग के लिए कतार में खड़े थे, तब विमान नहीं था। कई घंटे बाद जब विमान आया तब क्रू के सदस्य नहीं थे। इस बीच टर्मिनल पर बैठने के लिए कुर्सियां तक नहीं मिल रही थीं। सबसे अधिक समस्या वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं व बच्चों को हुई। बोर्डिंग गेट के पास बैठने को जगह नहीं मिल रही थी। अंत में परेशानियों के बीच कई यात्रियों ने फर्श पर बैठने में भलाई समझी। एश्वर्या पीजे नामक यूजर ने लिखा कि उड़ान में विलंब के बीच बोर्डिंग मशीन पर जाकर उन्होंने केक खरीदा, लेकिन बदकिस्मती ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा। केक की एक्सपायरी डेट समाप्त हो चुकी थी। एक्स पर यात्रियों के पोस्ट के उत्तर में एअर इंडिया एक्सप्रेस विलंब के लिए गोलमोल जवाब देता रहा। एक पोस्ट में कहा कि क्रू की समय सीमा से जुड़ी बातों के कारण विलंब हुआ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 7 FEBRUARY 2025

MUMBAI

IndiGo signs pact with Norse Atlantic

Domestic carrier IndiGo on Thursday said it has entered into a pact with Norse Atlantic Airways for the damp lease of one Boeing 787-9 aircraft, amid its reported plans to fly directly to Europe.
The widebody aircraft will arrive in the country in the coming weeks and is expected to start operations in March 2025, IndiGo said in a statement.
It also said that both IndiGo and Norse Atlantic will continue exploring opportunities to contract additional aircraft and increase their collaboration further.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 7 FEBRUARY 2025

Akasa Air gets funds from Azim Premji, Ranjan Pai family offices

PTI

MUMBAI

Akasa Air on Thursday said it has entered into a pact with a consortium of marquee investors, including Tech tycoon Azim Premji's global investment arm, and the investment office of Manipal Group Chief Ranjan Pai, for a fresh capital infusion fuel the airline's ambitious growth plans. Besides, the Jhunjhunwala family, which currently holds a 45.97% stake in the airline, has also "committed" to an additional funding, Akasa Air said in a statement. The investment deals, which are subject to regulatory approvals, will fuel Akasa Air's path to becoming one of the top 30 airlines in the world by the end of this decade.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 8 FEBRUARY 2025

'विमानन क्षेत्र तेजी से प्रगति कर रहा'

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। विमानन क्षेत्र में घरेलू स्तर पर विनिर्माण को गति देने के उद्देश्य से शुक्रवार को केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक के दौरान घरेलू उत्पादन को मजबूत करने और विमान से जुड़े विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर चर्चा की गई। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि एयरोस्पेस क्षेत्र में मेकन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत हम विनिर्माण को प्रोत्साहन देने की दिशा में काम कर रहे हैं।

मंत्री ने उद्योग हितधारकों को एक व्यापक और समावेशी रोडमैप विकसित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

■ केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने कहा, सरकार विमानन क्षेत्र में विनिर्माण को गति देने के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि हमने एक दोहरी-आयामी रणनीति तैयार की, जिसका उद्देश्य हमारे एमएसएमई की आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क का उपयोग करके स्वदेशी विमान घटक विनिर्माण का विस्तार करना है। इसके साथ ही हमारा उद्देश्य भारतीय घटक ओईएम को अधिक अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच प्रदान करना है। मंत्री ने कहा कि मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम पहले से ही वैश्विक नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सम्मानजनक स्थिति में हैं। अब हमारी महत्वाकांक्षा अग्रणी बनने की है। हालांकि यह जरूरी है कि हम उद्योग जगत के साथ अपने मंत्रालयों और विभागों के बीच घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करें। इसमें कौशल विकास, डिजाइन, विनिर्माण, रखरखाव, प्रमाणन और ज्ञान साझा करना शामिल हो। आज भारत नागरिक उड्डयन के क्षेत्र प्रमुख केंद्र और विमानन से जुड़े विनिर्माण के केंद्र के रूप में उभरने की राह पर है। हमारे पास प्रतिभा व संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 8 FEBRUARY 2025

The primary lessons from the Reagan air crash

Captain A. (Mohan) Ranganathan

is a former airline instructor pilot and aviation safety adviser. He is also a former member of the Civil Aviation Safety Advisory Council (CASAC), India

The tragic mid-air collision on January 29, 2025 between a United States Army Sikorsky UH-60 Black Hawk helicopter and an American Airlines CRJ-700 flight while it was on the final approach path to Ronald Reagan Washington National Airport, Washington DC, killing 67 people, brings out several aspects of human factors that can result in a tragedy.

In this case, the first was having politicians jump the gun by blaming others, even before a formal investigation began and the bodies were yet to be recovered from the watery grave of the Potomac river. U.S. President Donald Trump was quick to blame former U.S. Presidents Barack Obama and Joe Biden for diluting U.S air safety standards, forgetting that it was he who held the reins in the interim four-year period.

Pressures, opaque investigations in India

One saw the same kind of political one-upmanship just after the air accident at Mangaluru in May 2010 when the Minister of Civil Aviation, Praful Patel, declared that the airport conformed to all standards of ICAO Annex 14, volume 1. Dutifully, the court of inquiry committee that was headed by a retired Air Marshal of the Indian Air Force, glossed over all the blatant violations of the Airports Authority of India, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and the airline, i.e., Air India Express, by blaming only the pilot. In all the air accident reports in India, one never gets detailed data from the digital flight data recorder and the cockpit voice recorder.

Unlike in India, where the truth is hidden and restrictions placed on all access to information on the accident, photographs or data on the state of infrastructure, it is open in the rest of the world where one can analyse data with vital clues that are available. There is a big lesson to be learnt from the air accident in the U.S. The radar track and the air traffic control audio tracks were openly available and one could analyse and disseminate the facts instead of having doctored data and reports that have been vetted by a bureaucrat who ensures that there is nothing incriminating against the government and its agencies is published in the final report.

Let us take what has been put out by media sources in the U.S. What is generally known is that the American Airlines flight was given a runway change by air traffic control to accommodate a departure. The change was accepted by the crew. The helicopter, PAT25 (or Priority Air Transport) had taken off from a base nearby for a Proficiency training flight at night and had been informed about the passenger flight. The air traffic controller had asked the helicopter crew whether he had the passenger flight in sight. The pilot responded by saying he was visual with the plane and he was given clearance to maintain visual and pass behind the passenger flight. This is where the human factor plays a big part. The flight was at night. Other than the navigation lights and the rotating beacon, the helicopter pilot had no other clue to make out the type of aircraft he had visual sighting with. His only information was based on the flight number.

If one looks at the radar picture available to the public and the information from the air traffic tape recording, there was another flight which was behind the American Airlines flight, but approaching the main runway that the American flight was originally approaching before the American crew accepted a side step to a different runway.

The 'hurry syndrome'

Did the helicopter pilot wrongly identify this second flight to be the American flight when he reported visual to air traffic control? If one looks at the radar track of this second flight and the track being followed by the helicopter to "cross behind" (as instructed by air traffic control), it is quite likely that the helicopter crew had focused on the second flight rather than the American Airlines flight and were fixated on being behind the aircraft they had perhaps misidentified. As both the helicopter and the American Airlines flight were below 1,000 feet above ground level, the collision avoidance system would not have sounded as it would have been inhibited below 1,000 ft.

In aviation parlance, this is what one calls "Press-on-itis", or the 'hurry syndrome', where once you get fixated, all other inputs cannot influence your judgement. One needs a fresh and clear mind to be able to maintain situational awareness and spatial orientation. Fatigue and stress have a major role in these situations. The initial reports indicate there was only a single air traffic tower controller at Reagan handling the flights when, normally, two controllers are on duty.

Soon after the Reagan accident, the visual media in India went on overdrive, with graphic presentations of the Charkhi Dadri mid-air collision in India, near New Delhi, on November 12, 1996. In this accident, a Kazakhstan Airlines flight from Chimkent, Kazakhstan to Delhi collided with a Saudi Arabian Airlines Boeing 747 flight from Delhi to Dhahran, killing 349 people The pilot of the Kazakh flight was blamed for not complying with air traffic control clearance. What people are not aware of was a DGCA official who was in-charge of the investigation was removed from the investigation when he submitted his findings. It was another official who finalised the report. It is needless to say that the last nine minutes of the digital flight data recorder of the Saudia flight was a blank.

In the recent crash in South Korea, in December 2024, where a passenger flight landed with retracted wheels and crashed into an embankment housing the instrument landing system localiser antenna, South Korea, like India at the time of the Mangaluru crash, had not complied with the International Civil Aviation Organization (ICAO) Annex 14, Volume 1 Standard that mandated that all structures in operational area shall be frangible (from January 1, 2010). Yet, ICAO gave them a clean chit during the audits conducted. The Korean jet's digital flight data recorder was also blank for the last four minutes.

Incidents in Bengaluru, Tiruchi

Let us not forget the case of two Indigo flights, on January 7, 2022 – one bound for Kolkata, and the other for Bhubaneshwar – that were departing from parallel runways at Bengaluru airport. The air traffic controllers had cleared planes for take-off. In the two runways at Bengaluru, one runway was to be used for take-offs and the other for landings simultaneously. It was a narrow escape for both planes.

Neither the airline nor the air traffic control reported the matter but the incident came to light during a safety audit. The lack of situational awareness and the lack of knowledge of the pilots on the functioning of the collision avoidance system were safety issues that were all swept under the carpet.

On October 11, 2024, an Air India Express flight from Tiruchirappalli to Sharjah experienced hydraulic failure in one system. It circled for close to three hours before landing. But the political class in Tamil Nadu and the media went to town making a hero out of the captain who had exhibited very poor judgement when he could have made an overweight landing immediately.

This is another example of people with no knowledge of aviation passing judgements and influencing investigation agencies. The mid-air tragedy should open the eyes of the travelling public and know that safety is being compromised for brownie points.

The Reagan accident in the U.S. highlights the several factors that can result in a tragedy; there is also the danger of investigation agencies getting side-tracked

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 7 FEBRUARY 2025

Why civil aviation in India needs further consolidation

A recent Morgan Stanley research report tells us that marriage as an institution might be going through one of its worst phases — but, for the smaller companies in Indian civil aviation, there is no other hope on the horizon.

To understand why, readers need to step back in time. The Indian skies changed forever with the first low-fare airline flight of Air Deccan in 2003, sparking off a revolution that made flying more affordable and accessible. Larger numbers were able to make flying their most preferred and common form of transport.

From 2003 to 2020, India saw a spate of low-fare and full-service airlines get launched and shut down, depending mostly on how well the founders structured and ran their businesses. With the sector as price-sensitive as it was, in most years, the industry registered significant losses. In general, airlines in India were considered an unprofitable business with very low margins. In 2019, Jet Airways, created for a different era and once India's most-loved full-service private airline, closed as it failed to navigate the winds of change.

Anjuli Bhargava

The Covid pandemic added to the industry's troubles significantly. It led to the further weakening of already vulnerable firms, but Indian civil aviation defied logic. In FY 2020, the country had six scheduled airlines with combined losses of around $1.7 billion. In FY 2021, the country had seven with even higher combined losses. However, despite losses growing, none of the incumbents were bowing out. In fact, one new airline, Akasa Air, joined the race. Before the pandemic, airlines such as SpiceJet and Go First had more aircraft in the air, bigger market shares, lower losses, and stronger balance sheets. Post the pandemic, both became considerably weaker.

However, it was the sale of the erstwhile national carrier to the Tatas that changed the industry irrevocably. In one shot, four airlines — Air India Express, Air Asia India, Vistara, and Air India — came under a single owner. As a result, besides the two biggies (the other being IndiGo), the total number of airlines shrank to just four by 2024, including SpiceJet and Akasa; Go First, weakened beyond recovery, ceased flying in May 2023.

Industry observers and analysts argue that a lower number of airlines works better; that the old structure of many small ones with limited market share was untenable, with financial repercussions for the sector. Not only were the airlines proving to be increasingly unreliable, but they also had weak balance sheets and were overextending themselves, causing more grief to passengers.

Before the pandemic, airlines such as SpiceJet and Go First had more aircraft in the air, bigger market shares, lower losses, and stronger balance sheets. Post the pandemic, both became weaker. REUTERS

How to mitigate the ill effects of massive consolidation became a big concern. Collusion between two airlines is likely to be even easier than a clutch of them, something the Competition Commission of India (CCI) has grappled with over the years. Time and again concerns over collusion on fares and charges have appeared in the Indian narrative, though such allegations have largely remained unproven.

The two smaller airlines — SpiceJet and Akasa — have had a shaky ride for a while now. Although Akasa set up a good pace of growth, offering a reliable and decent quality service, its losses have soared, as is to be expected with a startup. It has also paid a hefty price for its turbulent history with its own pilots and lost the support of its primary founder and financial backer, the late Rakesh Jhunjhunwala since it took to the skies.

If things have not been smooth for Akasa, SpiceJet has been on a roller-coaster for a while now. Since the pandemic and the subsequent troubles faced by Boeing, its aircraft supplier, many were convinced that it was a touch-and-go situation for SpiceJet, which has no big corporate backing like Air India or a strong cash position and balance sheet like IndiGo. As was largely predicted, the airline whittled down in size and stature since its heydays, when its total fleet crossed 100 aircraft, and its market share was almost 10% (2017-18). Its on-time performance took a beating as did its safety record. The airline lost market share, hitting lows of 3%, not far above Akasa, the youngest in the game.

It was only towards end-2023 that some semblance returned to its operations after it infused fresh funds. SpiceJet allotted shares and warrants worth ₹744 crore (just below $100 million) on a preferential basis in the first tranche, and a second and larger tranche of funds (₹3,000 crore) was raised through a qualified institutional placement in September 2024. This money has been used by the airline to settle employee dues, payments to vendors, tax and other statutory dues. It is also deploying the funds to pull grounded aircraft back into the fleet. Perhaps for the first time in many years, its employees are not complaining or fearing the worst (read closure).

But industry observers and experts are all united on one matter: The smaller airlines will find themselves in dire financial straits repeatedly at different points in time unless they go in for marriages (mergers or sale of stakes) to well-capitalised airlines in regions such as West Asia or other carriers that might have a strategic interest in the Indian market. The best bet for airline owners will be to try and get their businesses to a healthy state and viable size for a stake sale, finding a match that can complement what they have built.

Anjuli Bhargava writes about governance, infrastructure and the social sector. The views expressed are personal

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES PATNA 7 FEBRUARY 2025

IndiGo to damp lease Boeing 787 from Norse Atlantic Airways

Reuters
feedback@livemint.com

India's top airline IndiGo said on Thursday it will damp lease a Boeing 787-9 Dreamliner widebody jet from Norse Atlantic Airways, with operations starting in March, as part of its efforts to tap into long-haul routes.

In the damp lease agreement, Norse Atlantic will lease its plane, along with pilots, or flight crew, and maintenance services to IndiGo, which will provide cabin crew.

IndiGo had about 14 jets on damp lease agreements at the end of 2024— two from Turkish Airlines and 12 from Qatar Airways.

The low-cost carrier will explore further opportunities to contract more aircraft from Norse Atlantic Airways, it said in a press release, without specifying if they would be on similar lease agreements.

The carrier will explore opportunities to contract more aircraft from Norse Atlantic. HT

Local business publications reported in December that IndiGo would lease about six 787s from Norse Atlantic, as it seeks to begin long-haul services before 2027, when the airline is expected to receive the first of 30 Airbus A350 widebody jets.

The airline is also expected to receive its first Airbus A321XLR aircraft in 2025, a single-aisle jet that is capable of flying nonstop from India to western Europe.

IndiGo wants to capture a larger slice of the international travel business from dominant Gulf airlines, whose one-stop routes are currently more popular among Indian travellers.

The airline currently flies to 38 international destinations and aims to add two more by end-March. It deploys about 28% of its capacity on international routes, spanning from Baku to Bali.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU CHENNAI 7 FEBRUARY 2025

INBRIEF

Akasa Air gets funding from Azim Premji, Pai family offices

Tech tycoon Azim Premji's global investment arm and Manipal group chief Ranjan Pai's family office have invested an undisclosed sum of money to pick up a stake in Akasa Air, India's youngest airline. In a statement, the airline said promoter Jhunjhumwala family has also committed more funds to Akasa. The Jhunjhunwala family and Vinay Dube, the founder and CEO of Akasa Air, own a majority stake in the airline. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 7 FEBRUARY 2025

IndiGo signs pact with Norse Atlantic for Boeing 787-9 lease

'The widebody aircraft will arrive in country in coming weeks and is expected to start operations in March 2025'

MUMBAI: Domestic carrier IndiGo on Thursday said it has entered into a pact with Norse Atlantic Airways for the damp lease of one Boeing 787-9 aircraft, amid its reported plans to fly directly to Europe.

The widebody aircraft will arrive in the country in the coming weeks and is expected to start operations in March 2025, IndiGo said in a statement.

It also said that both IndiGo and Norse Atlantic will continue exploring opportunities to contract additional aircraft and increase their collaboration further.

This would be the first time the airline will induct a Boeing 787 aircraft in its fleet. As of now, Tata Group-owned Air India has these planes in operation.

IndiGo currently has two widebody B777 aircraft in its fleet of 352 operational aircraft, wet-leased from Turkish airlines with whom it has a codeshare arrangement in place, which the Gurugram-based airline operates to Istanbul from Delhi and Mumbai.

Wet lease of an aircraft by an Indian carrier involves the leasing of foreign aircraft, along with crew, maintenance, and insurance. The plane is also under the operational control of the foreign operator (lessor) and subject to regulatory requirements of the foreign civil aviation authority concerned.

In a damp lease, the lessor provides the maintenance along with the aircraft but not the crew and insurance. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 7 FEBRUARY 2025

Indigo to lease B-787

NEW DELHI: IndiGo on Thursday said it has entered into a pact with Norse Atlantic Airways for the damp lease of one Boeing 787-9 aircraft, amid its reported plans to fly directly to Europe. The widebody aircraft is expected to start operations in March. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 8 FEBRUARY 2025

Search underway in Alaska for plane carrying 10 people

Anchorage: An aircraft carrying 10 people across Alaska's Norton Sound south of Arctic Circle went missing Thursday afternoon and rescuers searched into the night for any sign of the aircraft. In an update early Friday, officials said crews were still searching on the ground, but there was no information on the location of the aircraft.

Bering Air Caravan was heading from Unalakleet to Nome with nine passengers and a pilot. Authorities were working to determine its last known coordinates. Unalakleet is a community of 690 people in western Alaska, 240km south of Nome. Airplanes are often the only option for travel in rural Alaska.

"Due to weather and visibility, we are limited on air search at the current time," authorities said. The disappearance marks the third major incident in US aviation in eight days. AP